ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-18 दिसम्बर-II, 2016 (पाक्षिक) माउण्ट आबू 8.00

सुख के लिए हो आध्यात्मिकता का समावेश

साइंटिस्ट एवं इंजीनियरिंग प्रभाग द्वारा 'वाह ज़िंदगी वाह' विषय पर त्रिदिवसीय कॉन्फ्रेन्स कम मेडिटेशन रिट्रीट का सफल आयोजन

शांतिवन। मनुष्य अपने जीवन में सुख और शांति के लिए, भौतिक विकास के लिए पूरा जीवन बीता देता है। परन्तु यदि जीवन में सम्पूर्ण सुख चाहिए तो वैज्ञानिक आधार पर भौतिक विकास में आध्यात्मिकता का समावेश ज़रूरी है। इसके बिना विकास तो होगा, परन्तु सुख और आनन्द का हमेशा अभाव रहेगा। उक्त उद्‌गार ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने व्यक्त किये। वे वैज्ञानिक एवं अभियन्ता प्रभाग द्वारा शांतिवन परिसर में 'वाह जिन्दगी वाह' विषय पर आयोजित सम्मेलन में व्यक्त किये।

दादी ने सम्मेलन में सहभागियों से आह्वान किया कि मौजूदा समय में विज्ञान के साथ अध्यात्म को साथ लेकर चलें। पिछले कुछ वर्षों में आध्यात्मिकता और योग के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। मनुष्य की वाह ज़िन्दगी वाह तभी हो सकती है जब वह आध्यात्मिकता और राजयोग को जीवन में शामिलकरेगा।

'भारत और नेपाल एक आध्यात्मिक देश है। परन्तु यह देखने में आया है कि विश्व के कई देशों में विकास तो हुआ परन्तु मानवीय मूल्यों का अकाल दु:खदायी रहा है। इसलिए आध्यात्मिकता को साथ रखना ज़रूरी है' - **नेपाल के शहरी विकास एवं भवन निर्माण विभाग के उपमहानिदेशक मोनी राम गेलाल।**

सम्मेलन में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. मृत्युंजय, प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला तथा अतिथिगण।

आपातकाल प्रबन्धन संस्थान भोपाल के निदेशक डॉ. राकेश दूबे ने कहा कि आपात काल की स्थिति के समाधान के लिए आन्तरिक आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता है। बाद में तो सारी चीज़े अपने आप ही मैनेज हो जाती हैं। 'विज्ञान और अध्यात्म के सहयोग से ही मनुष्य की वाह वाह ज़िन्दगी बन सकती है। अध्यात्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है। आज पूरे विश्व में जिस तरह से तेज़ी से विकास हुआ है, यह ज़रूरी है, परन्तु आध्यात्मिकता के बिना मूल्यों की कमी मानव समाज को विनाश की ओर ढ़केल रही है' - **ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर।**

शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव सम्भू केसी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था जिस राजयोग की शिक्षा दे रही है वह केवल विज्ञान ही नहीं बल्कि सभी वर्गों के लोगों के लिए ज़रूरी है। यह सम्मेलन कई मायनों में अहम होगा।

विज्ञान एवं अभियन्ता प्रभाग की अध्यक्ष ब्र.कु. सरला, राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. मोहन सिंघल, ब्र.कु. भरत, कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने अपने विचार व्यक्त किये।

यातायात एवं परिवहन प्रभाग ने बनाई सुरक्षा जागृति योजना

सम्भल कर चलें, औरों को भी सम्भालें स्वस्थ हो मन, सुरक्षित जीवन, जीवन की सफलता सुरक्षा में है, रफ्तार में नहीं

चण्डीगढ़। वसुधैव-कुटुम्बकम की अवधारणा के अनुरूप समाज एक वृहद परिवार के समान है। जैसे हम अपने छोटे से परिवार की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सफलता के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं वैसे ही इस वृहद परिवार के हर सदस्य की सुरक्षा के लिए भी हर संभव प्रयास करें, यही जीवन का लक्ष्य होना चाहिए।

अभियान का मुख्य उद्देश्य

- **जन साधारण में सड़क सुरक्षित नियमों की जगृति लाना**
- **व्यसन मुक्ति के प्रति जागृति लाना**
- **यातायात एवं पर्यटन क्षेत्र के लोगों को तनावमुक्त जीवन शैली अपनाने हेतु सबल बनाना।**
- **इन क्षेत्रों के लोगों को आध्यात्मिक जागृति से खुशहाल बनाना ।**
- **परिवार समाज और विश्व भर में जीवन यात्रा की सफलता के लिए वचनबद्ध हो जानकारी देना ।**

लेकिन आये दिन होने वाली तनावपूर्ण घटनाओं एवं विपरीत परिस्थितियों का सामना करते समय आंतरिक आध्यात्मिक शक्तियों के अभाव में मन अस्थिर और जीवन असुरक्षित होता जा रहा है। यह कटु सत्य है कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या और उनमें मृत्यु को प्राप्त होने वालों की संख्या के अनुसार तो भारत विश्व में अग्रिम पंक्ति में है। हवाई जहाज हो या रेल, ट्रक हो या बस, कार हो या टेम्पो, आये दिन हो रहे हादसों का मुख्य कारण तनाव ग्रस्त मन, नशे की हालत में वाहन चलाना, कार्यशैली में दोष या नियंत्रण से ज़्यादा रफ्तार ही होता है। जल्दी से जल्दी इच्छित सफलता के प्रयास में मानवीय मूल्यों को ताक पर रखना ही तनाव और असफलता का कारण है।

सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. कविता। मंचासीन हैं, ब्र.कु. सारिका, ब्र.कु. अमीरचंद, जज दया चौधरी, ब्र.कु. दिव्यप्रभा, अमित तलवार, ब्र.कु. सुरेश तथा ब्र.कु. गिरीश।

ब्रह्माकुमारीज़ की सहयोगी संस्था रजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के यातायात एवं परिवहन प्रभाग ने बनाई यातायात सुरक्षा जागृति हेतु एक अखिल भारतीय योजना।

इस अभियान का चंडीगढ़ 33 सेक्टर से आरंभ होकर अमृतसर में समापन होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की माननीय जज श्रीमती दया चौधरी और यातायात एवं परिवहन विभाग चण्डीगढ़ के डायरेक्टर अमित तलवार रहे।

मुम्बई से आए मुख्य वक्ता ब्र.कु. गिरीश और वक्ता ब्र.कु. सारिका ने सामाजिक दिक्कतों के चलते अपने आप में बदलाव लाने के फायदे एवं सरल राजयोग विधि के बारे में बताया जिससे परमात्मा से जुड़ते हुए न केवल हम खुद, बल्कि समाज को भी प्रत्यक्ष रूप से सुरक्षा पहुंचा सकते हैं।

ब्र.कु. दिव्या ने अभियान का उद्देश्य और कविता बहन ने इससे संबंधित UN के सभी प्रोजेक्टस के बारे में बताया जिसमें ब्रह्माकुमारी संस्था कई वर्षों से नियमित अपना योगदान दे रही है। इसी शुभ अवसर पर ब.कु. अमीर चंद और ब्र.कु. उत्तरा ने सभी को शुभाशीष दी। सभी अतिथियों ने अभियान की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।